RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID-4000004011

BJS
Bharatiya Jain Sanghatana

भारतीय जैन संघटना

श्री शांतीलाल मुथ्था
संस्थापक

समाचार

Editor - Prafulla Parakh

वर्ष 3 अंक 5 | मूल्य - रू.1/- | मई 2018 | पृष्ठ - 8

मातृत्व दिवस - 13 मई, 2018

इस सृष्टि का सर्वथा अनोखा
एवं अदभुत प्राणी
यानि कि

“माँ”

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से..........2

मंथन: "माँ " शब्द की
बदल रही परिभाषा 3

‘स्मार्ट गर्ल’ कार्यशालाओं का
आयोजन....................................4

बीजेएस गतिविधियाँ एवं समाचार ..5-6

अल्पसंख्यक सूचनाएँ,
गतिविधियाँ एवं समाचार 7

आगामी परिचय सम्मेलन 8

राष्ट्रीय अध्यक्ष की कलम से

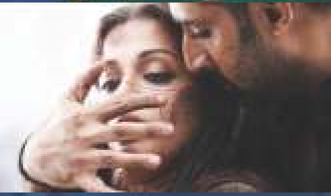

प्रिय आत्मजन,

कुछ दिनों पूर्व मुझे मिले एक व्हाट्सअप मैसेज में लिखा था *'बाद अपहरण के भी महफ़ूज़ थी सीताजी, किस क़दर की शराफ़त थी उस दौर के रावण में'*. महिलाओं के सम्मान व उनकी सामाजिक सुरक्षा के संबंध में 6 वर्ष पूर्व निर्भया कांड की दु:खद घटना के पश्चात् सम्पूर्ण देश में जागृति की लहर-सी उठी थी. अपेक्षा थी कि महिलाओं के प्रति समाज की मनोवृत्ति में वांछित परिवर्तन आएगा किन्तु पिछले कुछ माह में भिन्न-भिन्न राज्यों में घटी घटनाएं समाचार पत्रों व सोश्यल मीडिया की सुर्खियों में रही और देश का मस्तक एक बार पुन: शर्मसार हो गया. अति उस समय हुई जब महिलाओं व विशेषकर बेटियों की सुरक्षा के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्वों के नवसंकल्पों तथा प्रभावी कानूनों की आवश्यकताओं हेतु चेतना जागृत करने के प्रयासों के स्थान पर इन घटनाओं को जातिवाद व राजनीतिक रंगों से रंगकर साम्प्रदायिकता के दैत्य को पुनर्जीवित करने के भी प्रयास किये गये. जिस देश की सांस्कृतिक में कभी नारी की पूजा उन्हें समाज में दिए जाने वाले सर्वोच्च स्थान का प्रतीक रही, आज उस देश की ही नारियां विशेषकर युवतियाँ और नाबालिग बालिकाएं अत्याचार, छेड़छाड़, बलात्कार तथा हत्याओं का भोग बन रही है. प्रतिदिन घटती इन घटनाओं से मात्र बेटियों की ही नहीं अपितु समस्त देश की अस्मिता दाव पर लगी है. बेटियों के साथ बढ़ती जा रही बर्बरता की घटनाएँ, निश्चित ही भारतीय समाज की दिशाहीनता का संकेत है. अपराध कैसा भी हो अनैतिक ही होता है. सभ्य समाज में स्वीकार्य तथा अस्वीकार्य के मध्य की रेखा अत्यंत ही स्पष्ट है किन्तु यह भी वास्तविकता ही है कि मनुष्य के रूप में हम किसी जंगली पशु की तरह हिंसक और क्रूर हैं और करोड़ों वर्षों के विकास के पश्चात् भी पूर्ण अहिंसक समाज के निर्माण में असफल रहे हैं. हाल ही में सरकार कुछ कड़े कानून लेकर आई है जो स्वागत योग्य हैं. ऐसे किस्सो में न्यायिक प्रक्रिया को अधिक से अधिक गति देने की आवश्यकता है जिससे अपराधियों के मन में कानून का खौफ उत्पन्न हो सके. इससे भी महत्वपूर्ण है कि देश की बेटियों को ही इन चुनौतियों का सामना करने हेतु सामाजिक, मानसिक तथा भावात्मक **(emotional)** रूप से सक्षम बनाया जाए. युवती सक्षमीकरण अभियान से बीजेएस इस दिशा में गत कुछ वर्षों से रचनात्मक प्रयास कर रहा है जिसे महा-जन-अभियान का स्वरूप देना ही होगा.

महाराष्ट्र के प्रख्यात दैनिक 'लोकमत' ने करोड़ों से अधिक पाठकों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करने वाले ऊर्जावान, प्रभावी तथा जनप्रिय व्यक्तियों के 'लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफ द ईयर 2018' हेतु अभिमत प्राप्त किये. विभिन्न क्षेत्रों से नामांकन में 'समाज सेवा' हेतु अन्य महानुभावों के साथ श्री शांतीलालजी मुथ्था भी नामांकित हुए थे. महाराष्ट्र में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देश में जनप्रिय व लोक-लाड़ले मुथ्थाजी को समाजसेवा के क्षेत्र में 'महाराष्ट्रीयन ऑफ द ईयर' घोषित कर दिनांक 10 अप्रैल को मुम्बई में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया. बीजेएस परिवार इस अद्वितीय सिद्धि पर आपका हार्दिक अभिनंदन करता है. बीजेएस के लाखों कार्यकर्ता आपके मार्गदर्शन में समाज सेवा हेतु सदैव संकल्पित हैं व रहेंगे.

आज से 99 वर्ष पूर्व ब्रिटिश सरकार ने अमृतसर के जलियावाला बाग में बैसाखी उत्सव मनाने हेतु एकत्रित भारतीयों को जनरल रेजीनाल्ड डायर के आदेश पर गोलियों से भून डाला था. यह घटना नृशंस हत्याकांड के रूप में इतिहास के पन्नों में अंकित है. भारत सरकार ने घटना के शताब्दी वर्ष में शहीदों व उनकी कुर्बानियों को स्मरण कर श्रद्धांजली के कार्यक्रम देश भर में आयोजित करने का निर्णय लिया है. भारतीय जैन संघटना स्वतंत्रता संग्राम में कुर्बानी देने वाले उन सभी शहीदों को भी श्रद्धांजली देता है जिनकी शहादतें इतिहास के पन्नों में दर्ज ही नहीं हुई.

सृष्टि की कर्णधार नारी, उसके विविध रूपों एवं अनेक अनेक उत्तरदायी भूमिकाओं के कारण विश्व के समस्त जीवों में सर्वश्रेष्ठ एवं सम्मानीय है. उसका "माँ" होना उसकी विशिष्टता तो है ही साथ ही उसके पूर्ण नारी होने का प्रतीक है. नारी के प्रति श्रद्धा, प्रेम,सम्मान तथा कृतज्ञता दर्शाने हेतु लगभग समस्त विश्व 'मदर्स डे' उत्सवित करता है. भारत देश 13 मई को मातृत्व दिवस मनाने जा रहा है. महज खानापूर्ति नहीं, हम हृदय से उनके त्याग, बलिदान व समर्पण के प्रति नतमस्तक हों. यह अंक विश्व की सभी नारियों को समर्पित है, जिन्होंने मातृत्व धारण किया है या अब करेंगी.

प्रफुल्ल पारख
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जैन संघटना

संपादक
प्रफुल्ल पारख, पुणे

कार्यकारी संपादक
निरंजन कुमार जुंवा जैन, अहमदाबाद

सदस्य
कैलाशमल दुगड़, चैन्नई **सुरेश कोठारी**, अहमदाबाद **सुदर्शन जैन**, बड़नेरा, **वीरेंद्र जैन**, इंदौर
महेश कोठारी, गोंदिया, **संजय सिंघी**, रायपुर, **राजेंद्र लुंकड़**, इरोड़

बदलते समय में "माँ" शब्द की परिभाषा कहीं बदल न जाये ?

इस सृष्टि का सर्वथा अनोखा एवं अदभुत प्राणी यानि कि 'माँ'. ईश्वर की श्रेष्ठतम कृति यानि 'माँ'. वात्सल्य एवं ममता की प्रतिमूर्ति यानि 'माँ'. प्रेम की सही व्याख्या और सच्चे प्रेम की अभिव्यक्ति यानि 'माँ'. धीरज और साहस की देवी यानि 'माँ'.

क्षमा में 'माँ' है और माफी में भी 'माँ' है. क्षमा देना ही माँ के अस्तित्व का पर्याय है. उसके प्रेम में पीड़ा नहीं मात्र आनंद झलकता है. विशाल हृदय की स्वामिनी 'माँ' के प्रेम का भंडार उस अन्नपूर्णा की तरह है जो कभी रिक्त होता ही नहीं है.

अविरत, नि:स्वार्थ और अमूल्य सेवाएँ प्रदान करने की गज़ब क्षमता यदि किसी में है तो मात्र 'माँ' मे है. कहते हैं कि 'माँ' के रूप में भगवान स्वयं पृथ्वी पर रहता है. माँ वह है जो मात्र देना जानती है. स्वयं कितनी भी असहाय हो किन्तु परिवार को सुरक्षा अभेद्य कवच की तरह देती रहती है. माँ इस सृष्टि का सर्वोत्तम पात्र है जो सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और ममता, करुणा तथा स्नेह जिससे महकते रहते हैं. हालांकि कोमलता उसकी विशेषता है किन्तु वह शक्ति का प्रतीक भी है. दुर्गा से लेकर रानी लक्ष्मीबाई ने माँ की ताकत का बोध समस्त जगत को कराया है. माँ ही मात्र एक ऐसा पात्र है जो एक ही जन्म में अनेक जन्मों का भार उठाने में सक्षम है.

सृष्टि की ऐसी अभूतपूर्व कृति को आदर एवं सम्मान देने व उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के उद्देश्य से मई माह के द्वितीय रविवार को भारत में 'मातृत्व दिवस' (Mothers Day) प्रतिवर्ष मनाया जाता है. विश्व के भिन्न-भिन्न देशों में इसे मार्च से मई माह के मध्य सुविधानुसार मनाया जाता है. विश्व की समस्त माताओं के प्रति व्यक्तिगत एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों का बोध कराने हेतु यह दिवस अत्यंत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सृष्टी की जीवनंतता का आधार ही माँ हैं. समस्त विश्व में माँ और उसकी संतानों का जो रिश्ता है उसके समकक्ष अन्य कोई रिश्ता हो ही नहीं सकता.

प्रेम और करुणा का शाश्वत् स्वरूप है 'माँ'. परमात्मा ने माँ के रूप में जिस कृति का निर्माण किया है वह हमारे लिए किसी देवदूत से कम नहीं है. वह शिशु की प्रथम पाठशाला है. वह शिक्षक एवं मार्गदर्शक के साथ संस्कारों का रोपण करती है इसलिए समस्त मानवता चिरकाल से ऋणी है, सृष्टि की निरंतरता तथा संतुलित अस्तित्व को जीवंत बनाए रखने वाली विश्व की समस्त माताओं के सम्मान, आदर, प्रशंसा व कृतज्ञता दर्शाने हेतु 'मातृत्व दिवस' (Mothers Day) वर्ष में मात्र एक दिन की औपचारिकता क्या पर्याप्त है ? वास्तविकता तो यह है कि उसके गुणगान हेतु वर्ष के 365 दिन भी कम हैं.

बदलते वर्तमान सामाजिक संदर्भों एवं समीकरणों में माताओं की भूमिका में अब भारी परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहे हैं. परिवारों का कद छोटा हो जाने के कारण अब संतानों की शिक्षा व अन्य उत्तरदायित्वों से उन्हें अवकाश मिलने लगा है. किन्तु उनमें पारिवारिक भावना की दुर्लभता उग्रता से पनप रही है. संतानों के अतिरिक्त पारिवारिक व सामाजिक उत्तरदायित्वों का हृदय से निर्वहन करती आ रही माँ, वर्तमान में इन उत्तरदायित्वों के प्रति मानसिक रूप से सुसज्ज नहीं है. नई पीढ़ी की माताओं में 'माँ' का मूल रूप और चरित्र दोनों ही अदृश्य हो रहे हैं. व्यक्तिवादिता से ग्रसित आधुनिक माताएँ उनकी संतानों की अपेक्षा स्वयं के केरियर (नौकरी/व्यवसाय) के प्रति अधिक सजग है. पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में पल्लवित आज की माताओं में स्वयं के सौन्दर्य व शारीरिक आकृति (figure) के प्रति आसक्ति बढ़ रही है. आर्थिक स्वतन्त्रता के साथ वह स्वयं की निजी पहचान बनाने को आतुर है. संतान, परिवार तथा समाज के प्रति उत्तरोतर घटती जा रही उत्तरदायित्वों की भावना के कारण 'माँ' के चिरकालीन स्वरूप तथा भूमिका में अंतर स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहे हैं. परिवार एवं समाज में 'माँ' के विशिष्ट सम्मान एवं स्थान का मुख्य कारण उसकी निर्विवादित प्रकृतिजन्य अतुलनीय विशेषताएं हैं, किन्तु क्या आज की माँ यह रुतबा और स्थान सुरक्षित रख पाएगी ? सिक्के का दूसरा पहलू यह भी है कि 'माँ' के प्रति बच्चों में श्रद्धा, विश्वास तथा आत्मीयता में भारी गिरावट दिखाई दे रही है. आज की उच्च शिक्षित युवा पीढ़ी में 'माँ' के प्रति आदर सम्मान का भाव अति सामान्य-सा होता जा रहा है.

परिवर्तनशील व आधुनिक युग में महिलाओं की लैंगिक भूमिकाओं में आ रहे भारी परिवर्तनों के परिणामस्वरूप आज की 'माँ' उसकी ममता और कर्तव्य-परायणता से स्वयं ही दूरियां बढ़ा रहीं हैं. महिलाओं के घर से बाहर निकलकर पुरुषों से आगे निकलने का प्रयास निश्चित ही प्रशंसनीय है व समय की आवश्यकता भी है किन्तु इसकी अकल्पनीय कीमत संभवत: मानव सभ्यताओं को चुकानी होगी क्योंकि वर्तमान नारी उसके माँ बनने की लाक्षणिकताओं को खोती रही है. वह माँ जो परिवार की मित्र, हितैषी, रक्षक तथा संरक्षक की भूमिका का निर्वहन अभेद्य रूप से करती आ रही थी अब परिवर्तित वातावरण तथा संकुचित मानसिकता के कारण इन सब का महत्व स्वयं उसके लिए गौण होता जा रहा है. प्रतिस्पर्धा व व्यक्तिवादिता के इस दौर में महिलाएं अब माँ बनने से कतराने लगी है. सृष्टि को जीवंत रखने का प्रकृति प्रदत्त उत्तरदायित्व नारी के पास ही है जिसे वह माँ बनकर ही पूर्ण कर सकती है, इस वास्तविकता से वर्तमान महिला युवा पीढ़ी को शिक्षित करने की आवश्यकता है जो चिंतन एवं मंथन का विषय है.

"आई" தாய் "അമ്മ" తల్లి "মা" ماں "mother" ਮਾਂ "અમ્મી" 母

'स्मार्ट गर्ल' कार्यशालाओं का आयोजन

- 6-7 अप्रैल – बासना (छत्तीसगढ़), प्रतिभागी- 48, प्रशिक्षिका – सुश्री शिल्पा नाहर
- 12-13 अप्रैल – आभनपुर (छत्तीसगढ), प्रतिभागी- 58, प्रशिक्षक – श्री अभिषेक ओसवाल, श्री नितेश केडिया, डॉ.निशा जैन
- 16-17 अप्रैल – धमतरी (छत्तीसगढ़), प्रतिभागी- 76, प्रशिक्षक – श्री जयेश पोमल, सुश्री शिल्पा नाहर
- 21-23 अप्रैल – रायपुर (छत्तीसगढ़), प्रतिभागी- 34, प्रशिक्षिका – सुश्री सपना जैन
- 24-26 अप्रैल – राजकोट (गुजरात), प्रतिभागी- 42, प्रशिक्षिका – सुश्री दर्शाना कोठारी
- 21-22 अप्रैल – हुवेनाहडगल्ली (कर्नाटक), प्रतिभागी-42, प्रशिक्षिका – सुश्री विमलाश्री
- 28-29 अप्रैल – मैसूर (कर्नाटक), प्रतिभागी- 34, प्रशिक्षिका – सुश्री विमलाश्री
- 6-7 अप्रैल – उज्जैन (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 53, प्रशिक्षिका – सुश्री अमिता जैन
- 7-8 अप्रैल – कुक्षी (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 47, प्रशिक्षिका – सुश्री राजेश्री चौधरी
- 7-8 अप्रैल – कुक्षी (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 65, प्रशिक्षक – श्री रत्नाकर महाजन
- 12-13 अप्रैल – गंजबासौदा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 30, प्रशिक्षिका – सुश्री हर्षिता नाहर
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 47, प्रशिक्षिका – सुश्री शिल्पा नाहर
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 48, प्रशिक्षक – श्री नितेश केडिया
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 25, प्रशिक्षक – श्री जयेश पोमल
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 48, प्रशिक्षक – श्री अभिषेक ओसवाल
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 40, प्रशिक्षिका – डॉ.निशा जैन
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 42, प्रशिक्षिका – सुश्री श्रुति चिंचवडकर
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 41, प्रशिक्षक – श्री रत्नाकर महाजन
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 43, प्रशिक्षिका – सुश्री अलका ओसवाल
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 40, प्रशिक्षिका – सुश्री हर्षिता नाहर
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 43, प्रशिक्षिका – सुश्री राजेश्री चौधरी
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 51, प्रशिक्षिका – सुश्री अस्मिता देसाई
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 41, प्रशिक्षिका – डॉ.उषासिंह
- 22-23 अप्रैल – खण्डवा (मध्यप्रदेश), प्रतिभागी- 47, प्रशिक्षिका – सुश्री नाजिया हुसैन
- 31 मार्च-01 अप्रैल – मालेगांव (महाराष्ट्र), प्रतिभागी-55, प्रशिक्षक – श्री रत्नाकर महाजन
- 10-11 अप्रैल – गडीग्लंज (महाराष्ट्र), प्रतिभागी- 47, प्रशिक्षक – श्री रत्नाकर महाजन
- 12-13 अप्रैल – गडीग्लंज (महाराष्ट्र), प्रतिभागी- 61, प्रशिक्षक – श्री रत्नाकर महाजन
- 8-9 अप्रैल – औरंगाबाद (महाराष्ट्र), प्रतिभागी- 70, प्रशिक्षिका – सुश्री सुषमा गांधी
- 8-9 अप्रैल – औरंगाबाद (महाराष्ट्र), प्रतिभागी- 70, प्रशिक्षिका – सुश्री मनीषा भंसाली
- 11-12 अप्रैल – अहमदनगर (महाराष्ट्र), प्रतिभागी- 67, प्रशिक्षक – श्री प्रफुल्ल पारख
- 14-15 अप्रैल – जालना (महाराष्ट्र), प्रतिभागी- 61, प्रशिक्षक – श्री रत्नाकर महाजन
- 28-29 अप्रैल – कुर्दुवाडी (महाराष्ट्र), प्रतिभागी- 30, प्रशिक्षिका – सुश्री सुषमा गांधी

युवती सबलीकरण शिविर का शानदार आगाज

मैसूर (कर्नाटक), प्रशिक्षिका – सुश्री विमलाश्री

रायपुर (छत्तीसगढ़),प्रशिक्षिका – सुश्री सपना जैन

कार्यशाला जैन संघटना और बीपीएस की स्मार्ट गर्ल प्रशिक्षण का समापन

अपने बच्चों के दोस्त बनने का संकल्प लें माता-पिता

'स्मार्ट गर्ल' TRAINERS की REFRESHER COURSE की 2 प्रशिक्षण कार्यशालायें पुणे में आयोजित होंगी

स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम के तहत् ट्रेनर के रूप में सेवाएँ दे रहे ट्रेनर्स हेतु 2 अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन पुणे में दिनांक 18 से 20 मई एवं 25 से 27 मई, 2018 को किया जाएगा. ज्ञात हो कि 'स्मार्ट गर्ल' कार्यक्रम में कुछ नये विषय व मुद्दों का समावेश किया गया है तथा ट्रेनिंग में भी अतिरिक्त सामग्री के साथ कुछ नये प्रयोग जोड़े गये हैं. सभी वर्तमान ट्रेनर्स के लिए यह प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य है. इस सन्दर्भ में देश के सभी 'स्मार्ट गर्ल' ट्रेनर्स के लिए 3 दिवसीय 2 Refresher Training कार्यशालाएं भिन्न अवधि में पुणे में ही आयोजित की गई है ताकि ट्रेनर्स को उनकी सुविधानुसार ट्रेनिंग लेने का विकल्प प्राप्त हो. उक्त दोनों कार्यशालाओं में बीजेएस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख प्रशिक्षण देंगें.

'लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफ़ द ईयर 2018' अवार्ड - श्री शांतीलालजी मुथ्था को समाजसेवा के क्षेत्र में 'लोकमत महाराष्ट्रीयन ऑफ द ईयर' से सम्मानित करते हुए प्रख्यात विज्ञापन गुरु श्री भारत दाभोलकर, समीप है श्री रामदास अठावले- केन्द्रीय समाज कल्याण मंत्री एवं श्री आशीष भसीन - चेयरमेन व सीईओ- South Asia, Dentsu Aegis Network.

फेडरेशन ऑफ़ जैन एज्युकेशनल इंस्टीट्यूट्स राज्य अधिवेशन में निर्णय

प्रदेश के 2 हजार विद्यालयों में देगें 'मूल्यवर्धन शिक्षा'

मध्यप्रदेश फेडरेशन ऑफ़ जैन एज्युकेशनल इंस्टिट्यूट (FJEI) का राज्य अधिवेशन 22 अप्रैल, 2018 को इंदौर में आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश की 300 से अधिक जैन शिक्षण संस्थाओं ने भाग लिया. FJEI के प्रणेता श्री शांतीलालजी मुथ्था ने जैन शिक्षण संस्थाओं को FJEI के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए आधुनिक शिक्षण प्रणाली अपनाने तथा next generation education हेतु आह्वान किया. FJEI राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वल्लभ भंसाली के कहा कि दु:खद विषय है कि हम डिग्रीधारियों को ही शिक्षित समाज होना समझ बैठे हैं. आपने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में अप्रेंटिस कानून लाना होगा. देश के प्रख्यात अल्पसंख्यक जानकार एवं कानूनविद् श्री पी.ए.इनामदार ने कहा कि अच्छी शिक्षा का अर्थ है स्व-विकास करना. बीजेएस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने 'स्मार्ट गर्ल' और अल्पसंख्यक लाभ आदि मुद्दों पर बात की. राज्य अधिवेशन में जैन शिक्षण संस्थाओं में शिक्षण गुणवत्ता लाने की योजना की रुपरेखा प्रस्तावित की गई. यह तय किया कि FJEI के माध्यम से प्रदेश के 2 हजार विद्यालयों में मूल्यवर्धन शिक्षा देंगे जिस हेतु शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जायेगी.

इस अवसर पर बेंगलुरु युनिवर्सिटी के अध्यक्ष श्री चैनराज जैन, FJEI राज्य अध्यक्ष श्री अचल चौधरी, राज्य महासचिव श्री राजेंद्र महाजन, बीजेएस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र कुमार जैन ने भी संबोधित किया.

सास और ननंद से दोस्ती हो गई तो दुनिया की कोई ताकत आपको परेशान नहीं कर सकती

खुद से पहले अपने परिवार के सदस्यों की खुशियों और ख्वाहिशों को दें महत्व

मैरिड लाइफ अच्छी है बस उसमें ढलना होगा

बीजेएस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पारख ने इंदौर (मध्यप्रदेश) में 15 व 21 मई को 'दम्पत्तियों के सक्षमीकरण- Made for Each Other' पर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया

‘व्यवसाय विकास कार्यक्रम’

मार्गदर्शक : **श्री राकेश जैन**, वडौदा (गुजरात)

•24 अप्रैल – इन्दापुर (महाराष्ट्र)

•26 अप्रैल – अलीबाग (महाराष्ट्र)

•28-30 अप्रैल – उज्जैन (मध्यप्रदेश)

•26 अप्रैल – कर्जत (महाराष्ट्र)

•25 अप्रैल – खोपोली (महाराष्ट्र)

•24 अप्रैल – दापोली (महाराष्ट्र)

•25 अप्रैल – नागोठना (महाराष्ट्र)

‘कैरियर मार्गदर्शन’

मार्गदर्शक : **श्री राकेश जैन ‘प्रखर’**, इंदौर (मध्यप्रदेश)

•23 अप्रैल – अंजड (बडवानी-मध्यप्रदेश)

•24 अप्रैल – मनावर (धार-मध्यप्रदेश)

मनावर (धार-मध्यप्रदेश)

मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन, नई दिल्ली की नवीन योजना

बेगम हज़रत महल राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना

अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षणिक विकास हेतु संचालित '11वीं कक्षा की मेघावी छात्रा छात्रवृत्ति योजना' के अंतर्गत गत कुछ वर्षों से मौलाना आजाद एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा छात्राओं छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही थी. अब इस योजना को विस्तृत कर नाम परिवर्तन के साथ कक्षा 9 से 12 वीं की छात्राओं हेतु प्रभावी की गयी है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय की छात्राओं के शैक्षणिक उत्तेजन व विकास हेतु आर्थिक सहायता प्रदान करना है जो स्वयं आर्थिक संसाधन जुटाने में असमर्थ हैं.

पात्रता

1. पारिवारिक आय सीमा रू. 2 लाख
2. गत वार्षिक परीक्षा में 50% अंकों से या समकक्ष ग्रेड से उत्तीर्ण होना अनिवार्य
3. छात्रा का 6 अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदाय से होना अनिवार्य
4. पारिवारिक आय का सरकारी अधिकारी द्वारा जारी आय-प्रमाणपत्र आवश्यक

छात्रवृत्ति राशि

1. कक्षा 9 व 10 की छात्राओं को रू. 10,000
2. कक्षा 11 व 12 की छात्राओं को रू.12,000

छात्रवृत्ति में फीस, पुस्तकों का क्रय खर्च, स्टेशनरी व उपकरण क्रय खर्च तथा हॉस्टल खर्च आदि उपरोक्त राशि में देय होंगे.

आवेदन प्रक्रिया

योजना का क्रियान्वयन मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन के scholarship portal से होगा. सभी छात्राओं को 'www.maef.nic.in' से ऑनलाईन फॉर्म भरना होगा व आवेदन की प्रिंट प्रति मांगे गए दस्तावेजों के साथ मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन के दिल्ली कार्यालय को निश्चित अवधि में प्रेषित करनी होगी. प्रथम बार आवेदन पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूर्ण करनी होगी व आवंटित रजिस्ट्रेशन नंबर प्रतिवर्ष नवीनीकरण आवेदन हेतु प्रयोग करना होगा.

शैक्षणिक वर्ष 2018-19 हेतु आवेदन खुलने की तिथियों की जानकारी समाचारपत्र तथा मौलाना आज़ाद एजुकेशन फाउंडेशन की वेबसाईट 'www.maef.nic.in' से प्राप्त करें.

'अल्पसंख्यक अधिकारों एवं लाभों' पर भारतीय जैन संघटना की राष्ट्रव्यापी गतिविधियाँ

प.पू.आचार्य ज्ञानसागरजी महाराज से अल्पसंख्यक विषय पर विचार-विमर्श

गृह मंत्रालय,भारत सरकार,नई दिल्ली के उपनिदेशक श्री धीरज कुमार से आगामी राष्ट्रीय जनसंख्या गणना 2021 में जैन समुदाय की वास्तविक जनसंख्या परिणाम लाने हेतु विचार-विमर्श

विशाखापत्तनम में प.पू.मुनिकुमार श्रमण से अल्पसंख्यक अधिकारों एवं लाभों पर चर्चा

ललितपुर (उ.प्र.)में 'ज्ञान मायनरिटी वेलफेयर एण्ड एजुकेशन फाउंडेशन' की स्थापना के अवसर पर 30 अप्रैल, 2018 को अल्पसंख्यक अधिकारों एवं लाभों पर कार्यशाला में श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद

'अल्पसंख्यकता के अधिकार एवं लाभ' पर समाज के कार्यकर्ताओं को जनजागरूकता हेतु प्रशिक्षण- उदयपुर (राजस्थान), मार्गदर्शक - श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद

अल्पसंख्यक अधिकारों एवं लाभों पर इंदौर में 2 प्रशिक्षण कार्यशालायें मई माह में होगी आयोजित

'अल्पसंख्यकता के अधिकार एवं लाभ' विषय पर मध्यप्रदेश की जैन शिक्षण संस्थाओं हेतु दिनांक 19 मई, 2018 को आयपीएस अकादमी, इंदौर (मध्यप्रदेश) में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. इसमें जैन शिक्षण संस्थाओं के ट्रस्टी, प्रबंधक तथा प्राचार्य भाग ले सकेगें.

भारतीय जैन संघटना के अल्पसंख्यक लाभ जन-जागृति अभियान के अंतर्गत 'अल्पसंख्यकता के अधिकार एवं लाभ' मध्य प्रदेश के समस्त जैन समुदाय तक पहुँचाने हेतु दिनांक 20 मई, 2018 आयपीएस अकादमी, इंदौर (मध्यप्रदेश) में प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है. मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले से कम से कम दो व्यक्तियों को अल्पसंख्यक रिसोर्स पर्सन बनाने के उद्देश से उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा. रिसोर्स पर्सन अपने-अपने क्षेत्र में अल्पसंख्यक विषय पर समाज में जागरूकता लाने व मार्गदर्शन हेतु कार्य करेगें.

उक्त दोनों कार्यशालाओं में बीजेएस के अल्पसंख्यक विषय के राष्ट्रीय संयोजक श्री निरंजन जुवां जैन,अहमदाबाद प्रशिक्षण देगें.

बीजेएस परिचय सम्मेलनों का आयोजन

दिनांक 29 अप्रैल, 2018, सिकंदराबाद (तेलांगना), प्रतिभागी-71, संचालन-श्री प्रफुल्ल पारख,पुणे आयोजक: भारतीय जैन संघटना,सिकंदराबाद

दिनांक 22 अप्रैल, 2018, कोल्हापुर (महाराष्ट्र), प्रतिभागी-240, संचालन- श्रीमती वैशाली देसाई, कोल्हापुर, आयोजक: भारतीय जैन संघटना,कोल्हापुर

भारतीय जैन संघटना के आगामी परिचय सम्मेलन

नाशिक (महाराष्ट्र)
दिनांक:
1 जुलाई, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि
20 जून, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क :
98236 44114

इंदौर (मध्यप्रदेश)
दिनांक :
15 जुलाई, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि
25 जून, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क :
0731-3069116

अमरावती (महाराष्ट्र)
दिनांक:
19 अगस्त, 2018, रविवार
पंजीयन की अंतिम तिथि
31 जुलाई, 2018
पंजीयन हेतु संपर्क :
94205 21477

उक्त परिचय सम्मेलनों हेतु ऑनलाईन पंजीयन – http://bjsmm.bjsapps.com पर करें

To,

RNI No.-MAHBIL/2016/66409
Postal Registration No.-PCE / 089 / 2016-2018
License to Post without
prepayment No.-WPP-255/31.12.2018
Post Customer ID 4000004011
Published on 07.05.2018
Posted at Market Yard PSO, Pune On-10.05.2018

If undelivered Please Return To

BJS Bharatiya Jain Sanghatana
Muttha Chambers II, Senapati Bapat Road, Pune 411016
Tel. : 020 6605 0220
Website: www.bjsindia.org Email : info@bjsindia.org Facebook : www.facebook.com / BJSIndiacommunity Tweeter : BJS_India

मुद्रक तथा प्रकाशक – प्रफुल्ल पारख द्वारा भारतीय जैन संघटना के लिये प्रभात प्रिंटिंग वर्क्स, 427, गुलटेकड़ी, पुणे – 411037 से मुद्रित तथा मुथ्था चेम्बर्स -२ , सेनापति बापट मार्ग, पुणे – 411016 से प्रकाशित. सम्पादक – प्रफुल्ल पारख, फ़ोन – (020) 6605 0220